[This question paper contains 03 printed pages]

[इस प्रश्न पत्र में 03 मुद्रित पृष्ठ हैं]

Himachal Pradesh Administrative Service Combined Competitive (Main / Written) Examination, 2020

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

SANSKRIT (PAPER-II)

संस्कृत (पेपर-II)

Time allowed: Three Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

---

1. There are EIGHT questions.
   इसमें आठ प्रश्न हैं।
2. Attempt only *FIVE* questions. Candidates are required to attempt at least ONE question from each of the section in addition to question Nos.4 and 5 which are compulsory.
   केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। अभ्यर्थियों को अनिवार्य प्रश्न संख्या 4 और 5 के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देना है।
3. *Question Nos.1, 2 & 3 from Section 'I' and question Nos.6, 7 & 8 from Section 'II' may be answered either in Sanskrit or in the medium of examination opted by candidate.*
   खण्ड-I में से प्रश्न संख्या 1, 2 और 3 तथा खंड-II में से प्रश्न संख्या 6, 7 और 8 के उत्तर या तो संस्कृत में या अभ्यर्थी द्वारा चुने गए परीक्षा के माध्यम में दिया जा सकता है ।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
   सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Write answer in legible handwriting.
   सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें।
6. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।
7. Re-evaluation / Re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
   उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच नहीं की जाएगी।

Section-I
खण्ड-I

1. (a) Critically evaluate the statement धूर्तानां कथास्ति दशकुमारचरितम्.

"धूर्तानां कथास्ति दशकुमारचरितम्" इत्युक्तिः सयुक्तिकं समीक्ष्यताम्। (10)

(b) Analyze the ability of spy depicted in Kiratarjuniyam in the context of न वञ्चनीया: प्रभवोऽनुजीविभि:.

'न वञ्चनीया: प्रभवोऽनुजीविभि:' इति कथनस्य सन्दर्भे किरातार्जुनीये प्रवर्तितं गुप्तचरस्यार्हता प्रतिपादनीया। (10)

2. Describe the concept of welfare state depicted in Arthashastra.

अर्थशास्त्रे वर्णिता लोककल्याणकारिराज्यस्य अवधारणा विवेचनीया। (20)

3. Analyze who is the Hero of Mudrarakshasam.

मुद्राराक्षसस्य नायकत्वं विवेचनीयम्। (20)

4. Write short notes in Sanskrit on the following: (10x2 = 20)

संस्कृतभाषया अधोलिखितयोः संक्षिप्तटिप्पणी क्रियताम्।

(i) मेघदूतस्य रागात्मकता

(ii) पञ्चतन्त्रस्य जनप्रियत्वम्

Section-II
खण्ड-II

5. Explain any two of the following in Sanskrit. (10 x 02 = 20)

अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** श्लोकयोः संस्कृतेन व्याख्या क्रियताम् :

(क) यदा किंचिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्ध: समभवम्
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मन:।
यदा किञ्चित्किञ्चिद्बुधजनसकाशादवगतं
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगत: ।।

(ख) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समा:।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे॥

(ग) उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान् निबोधत।
क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति॥

(घ) प्रियं जनमपश्यन्तीं पश्यन्तीं राक्षसीगणम्।

स्वगणेन मृगीं हीनां श्वगणेनावृतामिव॥

6. Translate into Hindi or English any two of the following verses: (10 x 02 = 20)

अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** श्लोकयोः हिन्दीभाषया आङ्ग्लभाषया वा अनुवादो विधीयताम् :

(क) तं सन्त: श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतव:।

हेम्न: संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धि: श्यामिकापि वा॥

(ख) तमर्घ्यमर्घ्यादिकयादिपुरुष: सपर्यया साधु स पर्यपूपुजत्।

गृहानुपैतुं प्रणयादभीप्सवो भवन्ति नापुण्यकृतां मनीषिण:॥

(ग) अनल्पदग्धारिपुरानलोज्ज्वलैर्निजप्रतापैर्वलयं ज्वलद्भुव:।

प्रदक्षिणीकृत्य जयाय सृष्टया रराज नीराजनया स राजघ:॥

7. Explain with reference to the context any two of the following: (10 x 02 = 20)

अधोलिखितेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** प्रसङ्गसन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या क्रियताम् :

(क) याच्या मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।

(ख) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषीशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा सर्वा अविनयानामेकैकमप्येषामायतनम् किमुत समवाय:।

(ग) धर्माधर्मौ त्रय्यामर्थानर्थौ वार्तायां नयापनयौ दण्डनीत्याम्। बलाबले चैतासां हेतुभिरन्वीक्षमाणा-न्वीक्षिकी लोकास्योपकरोति, व्यसनेभ्युदये च बुद्धिमवस्थापयति, प्रज्ञावाक्यवैशारद्यं च करोति।

8. (a) Examine the following statement with reference to the context: (10)

अधोलिखितं कथनं ससन्दर्भं सप्रसंगं च समीक्ष्यताम्

"किन्त्वभिज्ञानाभरणदर्शनेन शापो निवर्तिष्यत इति"

(b) Explain with reference to the context of the following verse: (10)

अधोलिखितस्य प्रसङ्गसन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या क्रियताम्

शममेष्यति मम शोक: कथं नु वत्से त्वया रचितपूर्वम्।

उटजद्वारविरूढं नीवारबलिं विलोकयत:॥

अथवा

क्लिष्टो जन: किल जनैरनुरञ्जनीयस्तन्नो यदुक्तमशुभं च न तत्क्षमं ते।

नैसर्गिकी सुरभिण: कुसुमस्य सिद्धा मूर्ध्नि स्थितिर्न चरणैरवताडनानि॥

*****